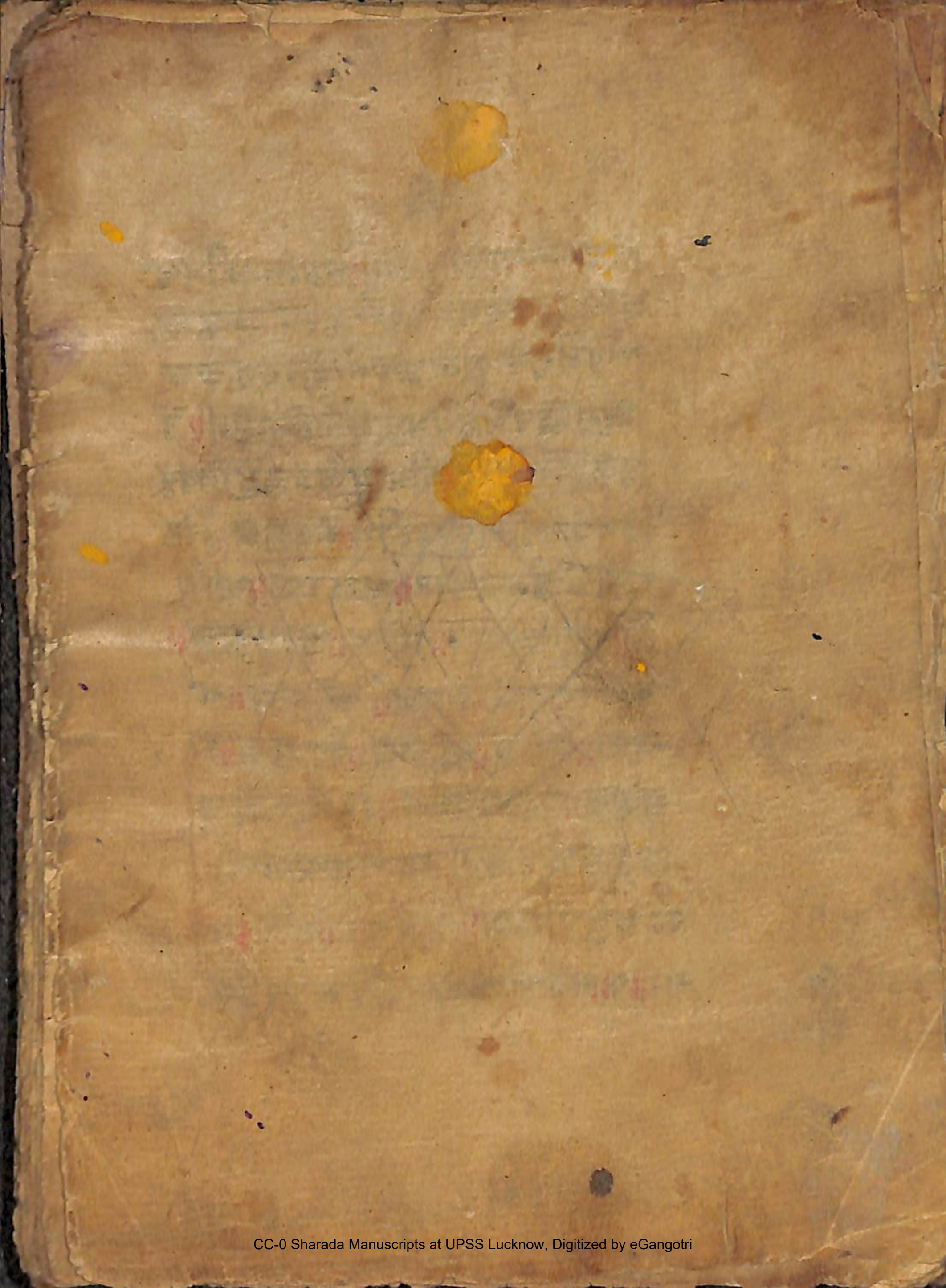
पी. सं. 4159 - 103

शिवक्रिया

२७- अपूर्ण कर्मकाण्ड

(गुरुमुखी लिपि)

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri



CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

ओं

ओं श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ शिवसहस्र-
नाम ॥ ओं [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

शि॰ स॰ १

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

स्तुस्वाहा ॥ अर्घ्यं ॥ क्लं प्रियस्तुभाय स्वा
गन्धुभस्वगात्रिं नेत्रभवगन्धुवहाय नमः ॥ प्रथ
मं भ्रौं ह्रीं ह्रुं धाय नमः ॥ मीथ ॥ गन्धुभाकि
नि गन्धुं भवेत्सीव धयन्तुश्वाहा ॥ मन्त्रं ॥
ह्रींस्वाहा ॥ उत्कृमं ॥ लं भासिहे परिहि स
त्रुय नमः ॥ मन्त्रं ॥ ह्लींवि ... नकय
नमः ॥ उत्कं ॥ ॐ त्रिकूट सुहि ः ॥ ३३ः क
सूर्मी ० धविमन्त्रं भस्तुभवेत ॥ धयद्रूलि
स्यस्वाहा नं त्रुहन्ते ॥ नावनगाद्यु ॥१॥ ॐ
स्य स्वाहा नं ॥ नावन्त्रिषु ॥१॥ ॐ त्रिस्तु
धनं ॥ नावन्त्रि विषद्र ॥१॥ ॐ त्रिभास्त्रिषनं
नावन्तु त्रिविमध्य ॥१॥ ॐ कृपवे मनं ॥ नाव
न्त्रिशिं त्रैव ॥१॥ ॐ [illegible] नाव नवश्रु [illegible] नंक

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

भ्यांनमः ॥ हृदयादिन्यासः ॥ यान्तु
मंत्रहृदये ॥ हृदि ॥ हूं ॥ शिर ॥ मः ॥ शिखा
स्वभावेश्वर ॥ कव ॥ नेत्रत्रया ॥ नेत्र ॥ नमः
स्वस्तु ॥ हैं हृ ॥ सर्वे शिर ॥ कव ॥ शिखा ॥
लिनि ॥ कव ॥ अस्त्रे ॥ फ ॥ स्व ॥ शिवतत्त्व
यनमः ॥ कवचे ॥ परशिव ॥ ललाटे ॥
रंस्वर ॥ नेत्रे ॥ परमपद ॥ मध्ये ॥ परमशि
वने ॥ हं मन्त्राय नमः ॥ परमेष्ठ्यै ॥ हूं
शिवतत्त्वाय नमः ॥ शिव ॥ हूं स्वं विद्या
हृदये ॥ स्वमन्त्र ॥ हृ ॥ हूं स्वं मः स्वभाव
मन्त्राय नमः ॥ सकलमध्ये ॥ ततः करन्या
सः ॥ हां सं सं हंसः स्वभावेश्वर
नेत्रत्रयाय कवि ॥ नमः करतल ॥ हृ
हैं ॥ शिर ॥ हैं ॥ शिखा ॥ हुं कव ॥ हौं ॥ ने ॥ फ

सि॰
मी
१

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

हौं [illegible] मिन्द्र: ॥ यं [illegible] नम: ॥ [illegible] ॥
यं [illegible] मिह: ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
मिह: ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ वं [illegible] मिह [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] मिह: ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] नम: ॥ [illegible]
[illegible] । ०१ । १८ । [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
ण्य ॥ असिताङ्गभैरवाय ० ॥ ब्रह्म
णीम ॥ रुरुभैरवाय १ ॥ कौमारीम ॥ चण्ड
भै ॥ २ ॥ वैष्णवीम ॥ क्रोधभै ॥ वाराहीम ॥ उ
न्मत्तभैरवाय ॥ ४ ॥ इन्द्राणीम ॥ कपाल
भैरवाय ॥ ५ ॥ चामुण्डाम ॥ भीषण
भैरवाय ॥ ६ ॥ महालक्ष्मीम ॥ संहारभैरवाय ॥ ७ ॥

सि
दी
३

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

रक्तकृपायविः ॥ ३ ॥ यमान्तकृत्य ॥ ३ ॥ नवसु
मधुमातृकलसं स्त्वरूपं ॥ भगवतः ॥ सि
वस्य ॥ भगविवश्य ॥ भगवतः ॥ मण्डीश्वि
ल्लितः ॥ सर्कोभाजितद्य ॥ नमितासं ने
त्वच ॥ भाण्डवीम ॥ नसने ॥ केभानीम ॥ म
ण्डने ॥ वेष्णवीम ॥ तुणने ॥ ववानीम ॥ ६
मतने ॥ ओन्तु नीम ॥ कपालसने ॥ म
भूषम ॥ नीधनने ॥ भन्नलक्ष्मीम ॥ भंग
नने ॥ मधुरीसिद्धीम ॥ धान्यने ॥ नवम ॥ ७
सधुसीप ॥ ७ ॥ तुलस्य ॥ मचुरस ॥ भुज
ने ॥ पितुः ॥ नैवमेतस्य ॥ नमस्य ॥ भवेन्
के वक्त्रसर्वाकृतं ॥ स्वभाललसिद्धे
पायितयुनसन्ने ॥ नवीपीठसुर्यास्य
लवसेष मी ॥ मण्डीकपालिनीप्रसन्नं ॥
भद्वीकधन्यनैवमप्रसन्नं भद्रं ॥ यव

सि. मी.

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

यत्कं छिद्रं वसुं कल्पयाम्युपमा || भ
गवत्रुं || शिव || सुप्रीम || सुमितसूष्ठव
य || [illegible] || त्रिधा तुकमी || ठवायस
सुमभनीयं नमः || दिक्लाक || शिवाय
भद्रभानीयं नमः || भानीया तुविडे || न
भद्र[illegible] || ०३ || सुषकं || येनडु || डेयल्ला
[illegible] भगवद्भिक्षु [illegible] विष्णु भयं
ज || डडयल्लभद्र[illegible] नं महडुज || ० || ड
डडः सेवडय [illegible] || सूक्त विष्णु [illegible]
रं [illegible] भगशिवः || शिवः [illegible]
सु[illegible] नभयीश्वरः || डभवभद्रभ
द्रः || भावंद [illegible] भद्र [illegible]
लाय गल्लि [illegible] भूपेश || [illegible]
भस्य [illegible] वल्लेकयः || [illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

सं हुं हुं स्वाहा ॥ ओं: नमः पञ्चवक्त्राय ॥ ओ
ङ्कारं नमः ॥ पिङ्गलं नमः ॥ सद्योजाताय ॥ स
र्वाध्यक्षाय ॥ महाभैरवाय ॥ नमस्तेऽस्तु ॥ ख
ट्वाय ॥ = ॥ नमस्कृताय ॥ तत्पुरुषाय ॥ म
हापुरुषाय ॥ महेशाय ॥ नमस्तुभ्यं ॥ अघोर ॥ भग
शिवभक्तभूतपञ्चवक्त्राय ॥ ह्रीं नमः ।
शिवायेति सर्वं भावितः ॥ नमस्तेऽस्तु भगवन्
अघोरभीषणाय ॥ ओं सं ॥ कालाग्नि
रूपः ॥ शिवाय सर्वं भक्तिरूपाय नमः ॥
सर्वदेवाय नमः ॥ ओं ह्रीं वं नमः ॥ सर्व
रूपः ॥ ओं हुं नमः ॥ हं ह्रीं सः ॥ नमः स्वाहा
सर्व ओं हुं नमः ॥ अघोर शिव शिवानन्द भूः ॥
शिवाय ॥ ओं हुं नमः । ओं हुं नमः ॥ हं ह्रीं सः
नमः स्वाहा ॥ ओं हुं नमः । ओं हुं नमः ॥ ओं
वं अघोर ॥ नमः सर्वभयशत्रुविनाशनाय ॥

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

ऐं भगवत्यै भैरव्यै नमः ॥ ह्रीं भगवति [illegible] नमः

ऐं भगवत्यै [illegible] नमः ॥ ऐं भगवत्यै [illegible]

[illegible] नमः ॥ [illegible] भगवत्यै [illegible] नमः ॥ [illegible]

[illegible] नमः ॥ [illegible] भगवत्यै [illegible] नमः ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ह्रीं [illegible] नमः ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ह्रीं शिवे ॥ ह्रुं [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
ॐ ह्रीं [illegible] नमः ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
ॐ [illegible] ॥ [illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ह्रीं [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
००

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

भव॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]॥ [illegible]॥

ॐ ह्रीं [illegible]॥ ॐ ह्रीं

[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥

[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]

[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥

[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ ॐ

[illegible]॥ [illegible]॥ ॐ

ह्रीं [illegible] भी [illegible] नमः॥ ॐ ह्रीं [illegible]

[illegible] भी॥ ॐ ह्रीं [illegible] भी॥ ॐ ह्रीं [illegible]

[illegible] भी॥ ॐ ह्रीं [illegible] भी॥ ॐ

ह्रीं [illegible] भी॥ ॐ ह्रीं [illegible] भी

मि॰
श्री॰
०१

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ नमः भगवत्यै ॥
ॐ ह्रूं एकाक्षरी शि ॥ मेरु ॥ ॐ ह्रीं दक्षिणा
काली ॥ त्रिपुरा ० नवधाम ॥ ॐ ह्रीं महा
भद्रेश्वराय कण्ठे नमः ॥ मेरु ॥ ह्रीं महाभ
द्रपा ॥ ॐ ह्रीं श्रीकण्ठभद्रपा ॥ ॐ ह्रीं कं
कालभद्रपा ॥ ॐ ह्रीं पाशिन् रुद्रेश्वरा ॥
ॐ श्रीनिकण्ठभद्रपा ॥ ॐ ह्रीं भद्रकाली
भद्रा भिनी महा ॥ ॐ ह्रीं सर्वमहा ॥
त्रिपुरसुन्दरी स्ववक्त्रे ॥ सर्वे रु
द्राणी भद्रा ॥ ॐ ह्रीं मन्त्रायै नमः ॥ प्र
चण्डा ॥ ॐ ह्रीं कुण्डलायै ॥ प्र ॥ ॐ ह्रीं क
ण्डत्रि ॥ मन्त्र ॥ ॐ ह्रीं पञ्चभूतायै ॥ नि
रुत ॥ ॐ ह्रीं त्रिकालज्ञे ॥ भद्रिम ॥ ॐ ह्रीं
निरुद्धायै ॥ वध्यै ॥ ॐ ह्रीं सर्वभवक्षयै ॥

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

ॐ ॥ ऐं ह्रीं हसहसलयै ॥ संस्मि ॥ ऐं ह्रीं
स्कलभूपे ॥ मन्त्र ॥ ॐ तः कलमधुप्रवाहि
ण्यै ॥ ऐं ह्रीं श्रीं क्लसमसकुयनमः ॥ एवं
कीर ॥ स्तपि ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ सर ॥ [illegible]
मन्त्र ॥ गन्धेस्तपि ॥ ऐं ह्रीं श्रीं [illegible] श्रीपर्य ॥
नकल ॥ [illegible] ॥ सल्लल ॥ योभप ॥ [illegible]
र ॥ सिंहल ॥ मन्त्र ॥ [illegible] ॥ ऐं ह्रीं
श्रीं [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ तमक ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
क ॥ ॐ [illegible] कलमध ॥ प्रवाहि
ण्यै ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] नमः ॥

श्रीं
७३

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

॥ भितरूपाय ॥ भभलेकृपाय ॥ चण्डाय ॥ रक
नेत्राय ॥ भीमभ्रुने ॥ करालनेभपाय ॥ रुद्रू
पाय ॥ ॐ ह्रूं ह्रीं स्रीं ह्रूं क्ष्रीं भद्रिय ॥ नभितक्र
रेवाय नमः ॥ ॐ इमिप्रवे नघघपृय ॥ एकवक्त्रं
महाकृ कृष्णपद्मकृधिवभो ॥ भिदभ्रुल
करकं कं तीवीसुति पषाय भभो ॥ वज्रमित्र
गमस्कंभ वभुकभिकंभ उभो ॥ ह्रमृयनमः ॥
तीषणाय ॥ भिरकत्तय ॥ रम्भाद्वियाय ॥ भ
दूषाय ॥ अभनाय ॥ वेजुष्याय ॥ रुनपृ नाय ॥ ३ ॥
॥ ॐ ह्रीं स्त्रीं यं क्षों रं भां ह्रीं स्त्रीं भ ॥ कनकरवाय ॥
नमः ॥ ९ ॥ नघपाका ॥ एकवक्त्रं महाकृ कृष्ण
पद्मकृधिवभो ॥ भिद भ्रुलकरकं कं तं रुद्र
नेत्रपराय भभो ॥ नीलेन्द्र तनिरं निरुप
यत्र रुधभुकं भिये ॥ रुघ्नसाय नमः ॥ भिक्षि
भिघाय ॥ कृष्णापाय ॥ भभापाय ॥ गोपतये ॥ भू
रुपाय ॥ भभावेसाय ॥ मदुधुकुपाय ॥ ते ॥

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

ॐ [illegible] बीजम् || [illegible] देवतायै नमः || १
मध्ये [illegible] || [illegible] मेकवक्त्रं [illegible]
[illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] नमः || [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible]
बीजम् || [illegible] देवतायै नमः || [illegible] ||
[illegible] मेकवक्त्रं [illegible] ||
[illegible] ||
[illegible]
[illegible] नमः || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] बीजम् || [illegible]
[illegible] देवतायै नमः || [illegible] || [illegible] मेक
वक्त्रं [illegible] || [illegible]

सिं. मी. ७०

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible] त्रिशूलधराय नमः ।। [illegible] कपाल
[illegible] भीतिहं ।। [illegible] कपाल [illegible]
भीतिहं ।। ॐ कङ्कालाय नमः ।। कालकृताय ।।
कलिसाय ।। भयहराय ।। [illegible] ।। [illegible]
[illegible] ।। [illegible] ।। ॐ [illegible] ह्रीं मः ।। क
पालमालिने स्वाहा ।। अथ ध्यानं ।। [illegible]
[illegible] भीतिहं ।। [illegible]
[illegible] त्रिशूलधराय नमः ।। [illegible]
[illegible] ।। ॐ [illegible] नमः ।। [illegible]
[illegible]य ।। कङ्कालाय ।। [illegible]य ।। [illegible]
[illegible]य ।। [illegible]य ।। [illegible]य ।। [illegible]
[illegible] नमः ।। अथ मन्त्र ।।
[illegible] भीतिहं ।। [illegible]
[illegible] त्रिशूलधराय नमः ।। [illegible]
[illegible] भीतिहं ।।
[illegible] नमः ।। [illegible]य ।। [illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

मध्यपूर्वे ॥ ॐ असिताङ्गभैरवाय नमः ॥ ॐ अं ब्राह्म्यै
शक्त्यै ॥ ॐ रुरुभैरवाय नमः ॥ ॐ माहेश्वर्यै शक्त्यै न
मः ॥ मध्यदक्षिणे मध्यवाह्ये ॥ ॐ उन्मत्तभैरवा
य शक्त्यै नमः ॥ ॐ कौमार्यै शक्त्यै नमः ॥ ॐ क्रोध
भैरवाय शक्त्यै नमः ॥ ॐ वैष्णव्यै शक्त्यै नमः ॥
मध्यनैरृते ॥ ॐ भीषणभैरवाय शक्त्यै नमः ॥ ॐ इन्द्रा
ण्यै शक्त्यै नमः ॥ ॐ कपालभैरवाय नमः ॥ ॐ चामुण्डायै
शक्त्यै नमः ॥ मध्यपश्चिमे ॥ ॐ संहारभैरवाय न
मः ॥ ॐ [illegible] शक्त्यै श. ॥ ॐ [illegible]भैरवाय श. ॥ ॐ
[illegible] नमः ॥ मध्यवायव्ये ॥ ॐ [illegible]भैरवाय
श. ॥ ॐ [illegible] ॥ ॐ [illegible]भैरवाय श. ॥ ॐ
[illegible] श. [illegible] श. ॥ मध्यउत्तरे
ॐ [illegible]भैरवाय श. ॥ ॐ [illegible] श. ॥
ॐ [illegible]भैरवाय नमः ॥ ॐ [illegible]भार्यायै ॥ म
ध्यैशाने ॥ ॐ [illegible]भैरवाय श. ॥ ॐ [illegible]भार्या
श. ॥ ॐ [illegible]भैरवाय श. ॥ ॐ [illegible] ॥ [illegible] ॥

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

ये नमः ॥ मूलमन्त्रं ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं स्वाहा ॥ ओं म
न्त्रविद्याये नमः ॥ ओं सकलमन्त्रयन्त्र ॥ नमः ॥
सिद्धयेभ्यः ॥ ओं भ्रां ॥ ओं भ्रां भ्रीं भ्रूं भ्रैं भ्रौं भ्रः ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं भैरवाय ॥ श्रीमहाभैरवाय नमः ॥ ओं त्रिशूलधराय नमः ॥
ओं डमरुहस्ताय कपालधारिणे ॥ ओं ह्रीं भैरवाय नमः ॥
मन्त्रमन्त्रवक्त्रं ओं भ्रां भ्रीं भ्रूं हिलिहिलि मन्त्र ॥ मन्त्रभूत
भूतप्रेतपिशाचदाकिनीशाकिनीकाली ॥ महाकाल ओं
यन्त्र भूत ओं भीं भैरवाय विघ्न ॥ सर्वशत्रुविनाशाय नमः
ओं सं कं हुं ॥ ओं मन्त्र हुं ॥ ओं मन्त्रयन्त्र ॥ ओं
कृपाय ॥ पिशाचे ॥ ओं सर्वग्रहाय ॥ ओं हूं भैरवाय ॥
ओं हं सं सर्वग्रह धुं कं भं व्रं भैरवाय ॥
ह्रीं ॥ श्रीं क्लीं मन्त्र ॥ महाभैरवाय ॥ मन्त्रमन्त्रं
मन्त्राय धर्मात्माहिलिहिलि मन्त्र ॥ सर्वदुष्टभयं हुं
लं म भ्रां लं हुं मवि कुण्डली ॥ कुलं मन्त्र सम
भं जं भीं ज्ञां क्लीं भैरवं भो ॥ ओं ह्रूं नमः ॥
सिद्धिदाय ॥ लघुपाय ॥ लक्ष्म्ये ॥ लक्ष्मी स्वाहा ॥

सि. मा. ९

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

𑆣𑆱𑆶𑆁 𑆥𑆶𑆠 𑆱𑆤 ‖ 𑆱𑆴𑆁𑆲𑆱𑆴𑆑𑆳 𑆠𑆴𑆓𑆳𑆩𑆵 𑆱𑆩𑆶
𑆮𑆤𑆴𑆠𑆶𑆱𑆶𑆠𑆼 ‖ 𑆱𑆑𑆴𑆑 𑆱𑆩𑆶𑆠𑆶𑆥𑆳𑆱𑆶 𑆱𑆶𑆩
𑆝𑆩𑆶𑆬𑆵 ‖ 𑆪𑆩 𑆱𑆴𑆑𑆶𑆪𑆼 𑆤𑆩𑆂 ‖ 𑆱𑆪𑆠𑆶 ‖ 𑆱
𑆬𑆪𑆳𑆪𑆼 ‖ 𑆑𑆬𑆑 𑆠𑆶𑆑𑆳𑆪𑆼 ‖ 𑆑𑆬𑆳 𑆠𑆶𑆑𑆼 ‖ 𑆮𑆴𑆱𑆶
𑆓𑆼 ‖ 𑆫𑆮𑆼 ‖ 𑆩𑆤𑆪𑆳 𑆠𑆴𑆑𑆳𑆪𑆼 ‖ 𑆠 𑆬𑆁 𑆱𑆁 𑆬𑆁 𑆫
𑆪𑆩 𑆱𑆴𑆑𑆶 𑆱𑆩𑆶𑆑𑆼𑆮𑆠𑆶𑆩𑆴𑆢𑆪𑆼𑆩𑆬 𑆬
𑆑𑆶𑆱𑆩𑆶𑆑𑆼𑆪𑆼 𑆤𑆩𑆂 ‖ 𑆱𑆩𑆶𑆩𑆶𑆥 ‖ 𑆎𑆠𑆩𑆶
𑆑𑆬𑆱𑆩𑆶𑆠𑆴𑆩𑆩𑆁𑆑𑆶𑆲𑆱 ‖ 𑆠𑆴𑆑𑆱𑆶 𑆥𑆴 𑆩𑆮𑆁
𑆱𑆁𑆑𑆶𑆬𑆁𑆑𑆪 𑆱𑆑𑆩𑆳 ‖ 𑆑𑆶𑆬 𑆓𑆑𑆶𑆥𑆼
𑆫𑆁 𑆱𑆠𑆮𑆁𑆠𑆶 𑆱𑆠𑆑𑆶𑆬𑆁 ‖ 𑆩𑆳𑆥𑆱𑆵𑆬𑆩𑆑𑆶
𑆬𑆁𑆫𑆠𑆶𑆑𑆱𑆬𑆁𑆱𑆤𑆩𑆳 ‖ 𑆱𑆓𑆩𑆠𑆶𑆥𑆳𑆥𑆼
𑆱𑆶𑆩𑆱𑆴𑆢𑆁 𑆓𑆴𑆑𑆑𑆳 𑆩𑆳 ‖ 𑆱𑆬𑆪𑆑𑆶𑆩𑆮𑆵
𑆢𑆁𑆱𑆩𑆑𑆱𑆫𑆑𑆩𑆱𑆶𑆬𑆩𑆳 ‖ 𑆱𑆠𑆱𑆴𑆁𑆑𑆩𑆤
𑆩𑆵𑆤𑆁𑆠𑆴𑆩𑆑𑆠𑆴𑆤𑆱𑆤𑆩𑆳 ‖ 𑆩𑆶𑆬𑆱𑆩𑆶𑆥
𑆑𑆶𑆠 𑆓𑆑 𑆑𑆫𑆓𑆮𑆤𑆪𑆼𑆠 ‖ 𑆎𑆠𑆴𑆓𑆶

𑆱𑆴𑆁
𑆩𑆵
𑇐𑇓

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

ऌ भा ल || विशु धि ड भा || द्विगभ्रुं भरू थ्येरं
भूह ली रू थरू श्रुिड भा || मृश्रि भ ला प
रं ह्रेवी नगायलृ भवी ड्रि नी भा || गडिकु भे
भविधुं म भरू हृयुग्रि भवृि ा: || भरू धे
|| रू धव स्तीयं भीनि ड्रड भेये परा भा || विधरी
|| उगडिधुं भरू येस्तु ग्नि भेनेठ्व भा || वत्रिनी
रू किनी यतुं वभे रुकि येगाड: || रुवी
गाला रू लस्तु उ पर भ नं भजु घडी भा ||
घलि नीत्ति फिडं भे धं भत्तु केमी रुि ग
धुर भा || कपाल कु हि कु फ भुं घ भै रुक्ति
येगाड: || नगायलृ भवी ड फुं स्तु ला डेरू
भयी भिव || भरू स्तु रुस वत्तीय भ श्रुि भ
ला विशु धि ड भा || रू किनी स भथ स्तुड
कलभङ्ग नत्ले भभं || विस्तु रू ठं हिनय
नं रुत्त्र पङ्कि वला किनी भा || रं भू रूरा लवरून

सि: श्री: ०७

श्रीविघ्नेशं ध्यायेद्यथा ॥ गणेशं देवी गणाध्यक्षं भु-
जैकेश्रीत्रिनायकम् ॥ ललितं च गणेशं श्रुं-
गणं मल्लं विघ्नधिपं ॥ कण्ठे तु कपालेन
नीलं [illegible] ॥ [illegible] विघ्नेशं
[illegible] विमल [illegible] ॥ [illegible] ॥
श्रीं क्लीं ह्रीं [illegible] [illegible] ॥
[illegible] य ॥ हूं ॥ [illegible] य ॥ सि ॥ [illegible]
या ॥ [illegible] ॥ [illegible] य ॥ [illegible]
य ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ ह्रीं
वल्लिके नमः ॥ श्रं ॥ [illegible] कीर्त्यै नमः ॥ [illegible]
[illegible] निधये नमः ॥ भ ॥ भद्र निधये नमः ॥ उ ॥
[illegible] नमः ॥ म ॥ विष्णवे नमः ॥ वै ॥ [illegible] य ॥ वा ॥
[illegible] य ॥ [illegible] य नमः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ वल्लिके ॥ [illegible] ॥ गणेशे ॥ [illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible] ॥ [illegible] ॥ इति [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नमः [illegible] ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible]
विकरालाय [illegible] ॥ ॐ महाविकरालाय [illegible] ॥
[illegible] करालाय ॥ [illegible] ॥ इति [illegible] ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ इति [illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] इति [illegible]

सि॰
ली॰
९॰

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

मयमरेन ॥ मन्त्र ॥ पितुः ठैरवोऽस्य ॥ मन्त्र
स्यायालेके भूक मयाकृतं ॥ मन्धेग नुकृयति
वरणुतं ॥ मेदनुकृनिवरणुतं ॥ स्क्रीमीयं
थरिकल्पयामिनमः ॥ एखिप्रेव ॥ मयग्रये ॥
कलाकलकृगजिते ॥ ठवठवं नुभप्रेग ॥ मन्त्र
नुकलनारीते ॥ मन्नुनिद्रलयपरा ॥ उंकुं कृ
ठैरवाय नमः ॥ उंह्रीं मीभाजेद्वेद्रेश्वय पः ॥ उं
क्लीं गं क्लीं गं ए लाकु भूकनेवउभजितये मे
रुद्रदे नमः ॥ मन्त्र पितुः भाजेद्वरीमीयंप ॥ मय
मम ॥ नेयमयविनिमृजेन्द्रिदृभुविरभये
मनेत्रीमेश्वकवभु ॥ मश्रृकृपालिनीद्वगी ॥
उंकुंमभूठैरवाय नमः ॥ उंह्रींकिभारीमय
पः ॥ उंकुंतंमंगं कृउमन नृद्युकभाजितये
केभाद्रे नमः ॥ मन्त्र ॥ पितुः ॥ केभारीमीयंप॰
मयश्रेन्त ॥ धनकेभ्रुपापकरे भरिभ्रलेन

श्रि॰
मी॰
१०

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

पव कुंवीभवमेव नं वृ भकुड़ी नभंसय ।। ॐ
कुं क्रे भैरवाय नमः ।। ॐ ह्रीं विष्णवी अम्बा ।। ॐ भं
एं भं भव ल्ल नाथ हृ पादुक भ्यदि त्र्यै वैष्णव्यै नमः ।
महा ।। पितृ ।। वैष्णवी मीपंप ।। मघपत्रि ग कृयष्ट
धु भिरं सें वं कृ उ भनं मर मूरभा ।। महा भ्म कं रु
कृ यभत्रि ष नं जग भूके ।। ॐ कुं उन्म उभैरवा
य नमः ।। ॐ ह्रीं वाराही अम्बा ।। ॐ भूं हृं मं रं उन्म
त्त हृ पादुक भ्यदि त्र्यै ।। वाराह्यै नमः ।। महा ।। पि
तृ ।। वाराही मीपंप ।। मघवयव ।। नभसुउ ।। ॐ कुं
कृ पाल भैरवाय नमः ।। ॐ ह्रीं इन्द्राणी अम्बा ।।
ॐ णं उं रं मन्द हृ पादुक भ्यदि त्र्यै ।। इन्द्र्यै नमः ।।
महा ।। पितृ ।। इन्द्राणी मीपंप ।। मघ कुरे ।। कल कल
कृ ।। ॐ कुं भीषण भैरवाय नमः ।। ॐ ह्रीं मम चण्डि
अम्बा ।। ॐ वं ॐ रं वभ हृ पादुक भ्यदि त्र्यै ।। मम चण्ड्यै
नमः ।। महा ।। पितृ ।। मम चण्डी मीपंप ।। मघ भैर
व कन्कन धप्कर ।। ॐ ॐ धुम्र भैरवाय नमः ।।

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

ॐ ह्रीं श्रीं सर्वविघ्नहरे नमः ॥ यमन्तुकरयाविः ॥ १
ॐ ह्रीं सर्वलोकप्रतिनिधये ॥ सर्वसिद्धि
मन्त्रः ॥ ॐ ह्रीं ह्रं ॥ सर्वस्त्री ॥ सि ॥ त्ति ॥ नि ॥ क ॥ स
ने ॥ क ॥ म ॥ ॐ ह्रीं प्रभावे सुखप्रदायै ॥ ह्रीं त्रिकर
क्लै ॥ ह्रीं निरुद्धायै ॥ ह्रीं सर्वभवक्षयायै ॥ क्लीं क
भक्तवल्लभायै स्वाहा नमः ॥ सह पिडः सर्वश्री
सर्वसिद्धिप्रदायिकायै नमः ॥ उडुं ॥ स
पितृकूटे स्वस्तिः भोजितः ॥ मिव: भोजितः ॥
उडे नैवेद्यं प्रदातिः ॥ भगवद्भक्ति ॥ उग
वतीसिद्धये ॥ स्कन्दी भक्तिदायै ॥ सभित्रकूट
वय ॥ नैवेद्यं ॥ ऽत्रिप्रभ कूर्मः ॥ उत्रे
प्रप्रकः ॥ मध्य मूलभस्त्र ॥ मत्र नमः ॥
उत्तमाङ्गस्य ॥ ७ ॥ मधमध्य ॥ मधिद्धं ॥ ७
यमन्तुकरयाविः ॥ कन्नगड्डु मी ॥ उत्रसूर्य ७
सह ॥ पिडः ~~स्वर्गगस्य गरुड भक्तके~~
~~भूकमधुकूटं सिवकीभद्रजतिभिदं म~~

सि.
ली.
११

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

मेङ्कुशं गज सं श्री सिद्धिदं मन्त्रैः ओं त्रय
सन्धैः वैरिकुलं संप्रहरेत् ॥ ह्रीं मक्षिकपालिनि
स्वाहा स्वाहा ॐ विसंप्रहरेत् ॥ ३३ ॥ कर्पूरयं त्रकृद्
सक्लिन्नयाम्रकः ॥ मयवनेसन्नं सुपसमन्त्रैर्नमः ॥
नमश्च ॥ ह्रैं भुवै संहु ॥ मह्ममध्रु ॥ कल्वैभुपनमः
३३ ॥ सकेंस त्रुं वलरीहिं मस्किलु ॥ मः मः स
नयसत्रु वलयनमः ॥ ॐ त्रि सकें संप्रहरेत् सत्र
विलमसहरे ॥ सग्रिभुत ३ ॥ यमत्रकय ३ ॥ स
हरे ॥ भिक्षवत्र नमत्र ॥ ॐ ह्रीं मक्षिकपालि
निस्वाहा ॥ सहर्ष लोकिहं ॥ ॐ क्रुं ह्रीं मक्षिकप
लिनिस्वाहा ॥ क्रुं गावत्रि नवकु ल वसघे ॥ म
हेमन्त्रै वर्षेवत्र ॥ ममयंप्रगय ॥ ४ ॥ मर्हे गिनि
क्लीं क्लीं नमः कस्व ॥ पित्रः वैरंवोगहम ॥ कमस्व
ॐ स्वमात्रिगहं पिक्ष सद्रु कयामिस्वाहा नमः ॥
ॐ त्रिपिक्ष्व वत्र नमत्रः ॥ ॐ ह्रीं मक्षिकपालि

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

निस्वाहा ॥ भस्य्रिउग्रभुभकं ठेरवेगेइं दर्मु ॥ निद्दइ
धुं न्हि नवभयं भंपन्त्य ॥ ९ ॥ स्वाहा ॥ ऊं स्मु स
त्रि गढः सर्वुयं भिक्षुः स्वणनभ ॥ मृपउ
भन्दह ॥ सप्रिभु ॥ ३ ॥ यभत्तुक ॥ ३ ॥ महः ।
लं मिहं ॥ उहुं ह्रीम क्लिं कपालि निस्वाहा ॥ हुं
ठगावति नरक लक्वंमिधलि भंह्रि मउत ठेरव
भैवउ भमयं धूरया ॥ ९ ॥ भवह्रंतिनि ह्लीनभभ
कस्य ठेरवेगेइस्य कन्य्स्य ॥ ह्लं नमत्रिगढं
भिक्षुभद्र न्त्य भिस्वाहा ॥ उं ह्रीम क्लिं कपा
लि निस्वाहा ॥ भह्रिदे भभकय ॥ ठेरवेगेइ
य ॥ कह भन्द भेरेम भ्रिउि भूयह ॥ ७ भ
म्हनविठ वं भन्द्र ज्ञय ॥ ७ ॥ भभी भउं त्रुन ॥ ९
भभय भायभयं भन्धर विठेगे स्वाहा ॥
ह्लनमत्रिगढः सर्वुयं धिक्षुः स्वणनभः ॥
मपउ सप्रिभुउ ॥ ३ ॥ यभत्तु ॥ ३ ॥ महः लं
मिहं ॥ उहुं ह्रीम ठगावति नरक लक्वंमि

सि॰
नी॰
१६

[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

ह्रं [illegible] || पाद्यं || [illegible] || [illegible] ||
नैवेद्यं || ॐ ह्रीं श्रीं मः || १ || [illegible] भगवति [illegible]
[illegible] || १ || [illegible]
[illegible] || १ || [illegible] || १ || [illegible]
|| [illegible] || ॐ नैवेद्यं || ॐ [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] ||
|| [illegible] ॐ श्री [illegible] ||
ॐ ह्रीं [illegible] ह्रीं [illegible]
ह्रीं [illegible] || ह्रीं [illegible] ह्रीं [illegible]
ह्रीं मः [illegible]
[illegible] || १ || [illegible] || ॐ [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || भगवतः || [illegible] || [illegible]
|| [illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] || ॐ [illegible]
[illegible] || [illegible]

सि. मी. ५८

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

लसज्जिनीकृत्यसुलपद्मिसदाविसीत्र
रत्नधिस्न नयनगासमस्त वगतुस्थित
ननगगालहतुत्सी धुतधुनविवभि
नी मिवतुपलिधिरेन मिवागवठयक्र
मी मधमनुमस्तुरुप समव्रनंकेतु
भ मषसमाने शकसभन्तेरेसवितुष्टत्रू
मेवसन्तर: तुतनंसन्तर: सदा उषवल
कसन्तर: सदासनुसनमोह: सयंसमु
कसामिक: मामहुसवतिधुत्रै वालि
कसभविसया: महूकतसभनवीह
गहूमाकितसानभ्र: मागिं तुवतुभ
विहं सतत: धुषधुमिव: ५ मषसभ्र
सन्तैलिकसालासृ गणुतकसाविसस्र
य विधतुतुषयोत्तुम हिस्त्रिमित्र सभ
स्मृत: सदा: ससीतसनसा: सतिगुरु

29

शि॰
मी॰
१७

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

लभनिनीकूराम्तुलपद्धिभपरिभीम्र
रत्रधिम्नि नयनरामलमम्रवरतृम्हित
नरगरालह्रस्तम्नी भृत्रभुनविरभि
वी सिवहुपम्भिरे॥ सिवरम्वठयम्क
मी सरभपृमभ्रुत्रुपे॥भत्वरम्नंकेरतु
भे मषमावे सुकमभन्तेरेमविहषहू
मेवभान्तरः हुतुनंभान्तुरः भवा उषहृल्ल
कभान्तरः भवाभसूभनमेहुः भयंमरू
रुभमिकः मम्रहुष्म वतिभृत्रे वालि
कभभठिमयाः मदूकत्राभनवीहू
मदूत्रारुितभानभ्रः मर्गिं ज्ञवतुभ
विहुं भवरः भ्रुभ्रालिरुः ड मवभहु
भर्त्रिनिकृपालाम्ब्र गवृत्रभरिधम्ब्र
य विधृडुत्रुषभ्रुम किभ्रिमित्रभभ
म्रितः भवः भभीड़भवभाः भतिराुरु

29

क्षिं ती॰ ९७

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

No. 43

Shanti Dipa
Vidhana

Shanti ritual

Sharada

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri